1. भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय।
2. भारतीय दर्शन – हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा।
3. भारतीय दर्शन – चन्द्रधर शर्मा।
4. भारतीय दर्शन – पारसनाथ द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
5. भारतीय दर्शन – डॉ0 उमा शंकर शर्मा ऋषि।
6. History of Indian Philosophy- S.N Das Gupta.

अधिगमः–

भारतीय दार्शनिक चिन्तन परम्परा से परिचित हो सकेंगे। भारतीय दर्शन से सुपरिचित होकर छात्र–छात्राएँ एक दार्शनिक बोध प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे। जीवन एवं मरण, जीवात्मा एवं परमात्मा, ब्रह्म एवं माया, जीव–जगत् इत्यादि विषयों का तात्त्विक एवं पारमार्थिक बोध प्राप्त कर सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -I: भारतीय संस्कृति।

Theory : 2Credit+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वर्णाश्रम व्यवस्था, षोडशसंस्कार, पुरूषार्थचतुष्टय।	10 Hours
2	प्राचीनशिक्षण, प्रणाली (गुरूकुलीयशिक्षापरम्परा, ब्रह्मचारी के आवश्यक कर्त्तव्य, गुरुशिष्य परम्परा)	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न।
10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।)
5x4=20 अंक।

खण्ड–ग 3. दोनों इकाइयों से पॉच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. भारतीयसंस्कृति – डॉ0 प्रीति प्रभा गोयल, परिमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्व– डॉ0 सुखबीर सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ।
3. भारतीयसंस्कृति एवं कला – वाचस्पति गैरोला, उत्तरप्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
4. हिन्दू संस्कार – राजबलि पाण्डेय।
5. प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास – डॉ0 जयशंकर मिश्र।
6. धर्मशास्त्र का इतिहास – भारतरत्न, पी0वी0 काणे।

अधिगमः–

(1) भारतीयसंस्कृति के मूलतत्त्व को समझ सकेंगे।
(2) संस्कारों के वैज्ञानिक महत्त्व से अवगत होंगे।
(3) शिक्षण प्रणाली के बोध के साथ चारित्रिक विकास होगा।
(4) गुरू शिष्य संबंध की पवित्रता समझ सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -II: संस्कृत काव्य।

Theory : 3Credit+ Tutorial: 1 Credit =4 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	वाल्मीकीय रामायण (सुन्दर काण्ड, सर्ग सात)	10 Hours
2	श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय–12)	10 Hours
3	मेघदूत (कालिदास) –पूर्वमेघ, आरम्भिक 10 पद्य।	10 Hours
	Tutorial	10 Hours
	Total	40 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक
(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक
(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

पुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. तीनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. तीनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में श्लोक व्याख्या प्रष्टव्य है।) – 5x4=20 अंक।

खण्ड–ग 3. तीनों इकाइयों से पॉच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. रामायण – गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. भगवद्गीता– गीताप्रेस गोरखपुर।
3. मेघदूतम् – मोतीलाल बुक पब्लिशर्स एण्ड डिष्ट्रीब्युटर्स, पटना।

अधिगमः–

छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास में सहायक सिद्ध होंगे। आदि कवि वाल्मीकि, वेदव्यास एवं कालिदास की विलक्षण काव्य प्रतिभा से परिचित हो सकेंगे।

Bachelor of Arts (Honours) Sanskrit under FYUGP

UNIVERSITY OF BIHAR, PATNA

SEMESTER-III (Pattern-70+30=100)

MDC -III: संस्कृत वाङ्मय में वैज्ञानिक परम्परा।

Scientific Traditious in Sanskrit.

Theory : 2Credit+ Tutorial: 1 Credit =3 Credits

Unit	Prescribed Course	Number of Lectures
1	संस्कृत वाङ्मय में रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान	10Hours
2	संस्कृत वाङ्मय में गणित एवं खगोल विज्ञान	10Hours
	Tutorial	10Hours
	Total	30 Hours

CIA-30 अंक

(I) एक मध्य सत्रीय परीक्षा– 15 अंक

(II) संगोष्ठी/क्वीज/प्रस्तुति/दत्त कार्य– 10 अंक

(III) उपस्थिति एवं अनुशासन– 05 अंक

कुल–30 अंक

प्रश्न पत्र प्रारूप (ESE)

खण्ड–क 1. दोनों इकाइयों से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न। – 10x2=20 अंक।

खण्ड–ख 2. दोनों इकाइयों से तीन–तीन प्रश्न होंगे जिनमें से चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। (इस खंड में टिप्पणी प्रष्टव्य है।) – 5x4=20 अंक।

खण्ड–ग 3 दोनों इकाइयों से पॉच प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है – 10x3=30 अंक।

कुल – 70 अंक

अनुशंसित ग्रन्थ :–

1. संस्कृत साहित्य में ज्ञान–विज्ञान– डॉ0 शशि शर्मा, इस्टर्न बुक लिंकर्स।
2. विज्ञान सारथिः – डॉ0 विजया रानी, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

अधिगमः–

(1) संस्कृत वाङ्मय की गौरवशाली परम्परा से परिचय प्राप्त होगा।

(2) विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी।

(3) भारतीय स्वाभिमान का उदय होगा।